

GILLETTE

NO RETURN, PLEASE.



FERDINANDO FREGA

A MEMOIR OF CORPORATE MISUNDERSTANDING AND LITERARY REFLECTION

जिलेट: वापसी नहीं, कृपया

मैंने 1 दिसंबर 2003 को माँ जिलेट को छोड़ा।

मैं कॉरपोरेट दुनिया से निकल आया और पीछे वह भूमिका छोड़ दी जो मैंने अठारह साल निभाई थी।

यह कोई नाटकीय फैसला नहीं था।

यह कुछ ऐसा था जैसे एक पुराना सूट वापस अलमारी में टाँग देना और तय कर लेना कि अब इसे नहीं पहनना।

इसलिए नहीं कि वह घिस गया था।

बस इसलिए कि वह अब उस आदमी जैसा नहीं दिखता था जो मैं बनना चाहता था।

तो मैं एक अलग सूट की तलाश में निकला।

ऐसा, जिसमें उस भविष्य के लिए काफ़ी जगह हो जिसे किसी की इजाज़त की ज़रूरत न पड़े।

कहानी वहीं ख़त्म हो जानी चाहिए थी।

पर कुछ कहानियों का ख़त्म होने का कोई इरादा नहीं होता।

वे बस इंतज़ार करती हैं।

फिर, एक दिन, वे आपको बिल भेज देती हैं।

लगभग तेईस साल बाद, लोग मुझे सड़क पर रोकते हैं और कहते हैं:

“हमें बड़ी खुशी है कि आप जिलेट में काम पर लौट आए हैं।”

दिक्रक़त यह है कि मैं लौटा नहीं हूँ।

और यह समझाना उम्मीद से कहीं ज़्यादा मुश्किल निकलता है।

फिर अटकलें आती हैं।

“अब आप जिलेट नैरेटिव की अगुवाई कर रहे हैं, उस मशहूर ब्रांड के नए प्रकाशन विभाग की।”

उस मोड़ पर, हकीकत आधिकारिक तौर पर कमरे से बाहर चली जाती है।

आम तौर पर इसके बाद अगला सवाल आता है:

“आखिर आपने यह किया कैसे? इकसठ साल की उम्र, यूनिवर्सिटी की कोई डिग्री नहीं, और इतालवी में चार का शानदार नंबर।”

मुझे शायद ही कभी सूझता है कि क्या जवाब दूँ।

फिर पुराने सहकर्मियों के फ़ोन आने लगते हैं।

कुछ तो सचमुच यह जानने में दिलचस्पी रखते दिखते हैं कि क्या ब्रांड के भीतर उनके लिए भी कोई जगह निकल सकती है।

तभी मैंने वह बात जानी जो मुझे कभी किसी ने नहीं समझाई थी:

साहित्य के ऐसे साइड इफ़ेक्ट होते हैं जिनसे आपको कोई कभी आगाह नहीं करता।

यह पहले पता होता, तो शायद मैंने कोई ज़्यादा शांत पेशा चुना होता।

मछली पकड़ना, शायद।

सेल्स तो हरगिज़ नहीं।

अब तक तो मेरे क़स्बे के मेयर ने भी यह क़िस्सा सुन लिया है।

बस उम्मीद करता हूँ कि वे मेरे दरवाज़े पर आकर किसी को नौकरी पर रखने को न कह दें।

मेरे सामने एक व्यावहारिक समस्या होगी।

मेरे पास कोई दफ़्तर नहीं है।

कोई मुख्यालय नहीं।

कोई मानव संसाधन विभाग नहीं।

बस एक मेज़।

एक कीबोर्ड।

और उम्र भर की कहानियाँ।

बाक़ी मैं अपने साथ लिए फिरता हूँ।

क्योंकि सच कहूँ तो मुझे पता ही नहीं कि उसे और कहाँ छोड़ूँ।

Gillettenarrative.com पर आपका स्वागत है।

आपका संदेश एक इंसान पढ़ेगा।

आम तौर पर वही, जिसने किताबें लिखी हैं।

पी एंड जी, जिलेट, बिक, विल्किंसन, शिक और लॉरियल के ग्राहकों के लिए एक सूचना

आपके संदेशों और आपकी तवज्जो के लिए धन्यवाद।

कृपया ध्यान दें कि हम उत्पादों, ऑर्डरों, शिपमेंट, कारोबारी मसलों, शिकायतों, मूल्य सूचियों या विशेष क्रीमतों का काम नहीं देखते। हम किसी भी तरह के ऑर्डर नहीं लेते, “स्लो मूविंग” श्रेणियों समेत।

हम समझते हैं कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं, पर यह हमारा धंधा नहीं है।

न्यूयॉर्क के थोक ग्राहक को पैम्पर्स के ऑर्डर के सिलसिले में ख़ास धन्यवाद: कृपया सिनसिनाटी में अपने सप्लायर से सीधे संपर्क करें। शिष्टाचार के नाते, हम बस आपका संदेश आगे भेज सकते हैं।

हमें आपका अपने संपादकीय ठिकाने में स्वागत करके खुशी होगी, बिना किसी शुल्क के, बस एक ऐसी जगह साझा करने के लिए जहाँ साहित्य हकीक़त से मिलता है — एक महान दुनिया के भीतर 58 साल का अनुभव, जिसे कोई कभी मिटा नहीं सकता।

फर्दिनांदो फ्रेगा

owner@gillettenarrative.com

फर्दिनांदो